राजिमान सर्प

स्निग्धा विविधवर्णाभिस्तिर्यगूर्ध्वं च राजिभिः ।

चित्रिता इव ये भान्ति राजिमन्तस्तु ते स्मृताः।। (सु.क. 4/24)

- स्निग्ध ।
- विविध वर्ण की तिर्यक् एवं ऊर्ध्व रेखाओं वाले ।
- चित्रित-से ।

विचरण काल

राजिमान सर्प रात्रि के पिछले प्रहर में.

दंश के लक्षण

राजिमद्विषेण शुक्लत्वं त्वगादीनां शीतज्वरो रोमहर्षः स्तब्धत्वं गात्राणामादंशशोफः सान्द्रकफप्रसेकश्छर्दिरभीक्ष्णमक्ष्णोःकण्डूःकण्ठेश्वयथुर्घुर्घुरकउच्छ्वासनिरोधस्तम:

प्रवेशस्तास्ताश्च कफवेदना भवन्ति ।। (सु.क. 4/37)

1. त्वचा आदि का रंग सफेद पड़ जाना (whitish discoloration)

2. ठण्ड लगकर ज्वर होना (fever with chills)

3. रोमाञ्च (horripilation) 4. स्तब्धता (stiffness)

5. दर्शस्थल का सूज जाना (edema at the site)

6. गाढ़े कफ का आना (thick mucus)

7. वमन (vomiting)

8. आँखों में बार-बार कण्डू होना (itching in eyes)

9. कण्ठ में सूजन (edema in throat region)

10. आवाज में घुघुराहट (hoareseness of voice)

11. उच्छ्वास में रुकावट (difficulty in breathing)

12. अन्धकार से घिरने जैसी प्रतीति होना (black outs)

13. कण्डू आदि श्लैष्मिक वेदनाएँ (itching etc.)